Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai
Conducted
MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI
ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ
Website : jaineducationboard.org E-mail : jainshikhshanboard@gmail.com

७ जनवरी २०२४ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

श्रेणी- २

Gujrati - Hindi Lipi

OPEN BOOK / REGULAR	WRITER	YES / NO

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न.१ सूत्र विभाग **(४०)**

(ए) पाठ पूर्ति करो. **(२०)**

१) वासुपूज्जंच ....., ..., ..., ..., वंदामि

२) लोगहियाणं ....., ..., ..., ..., मग्गदयाणं

३) भंते ....., ..., ..., ..., जाव नियम

४) जिणवरा ....., ..., ..., ..., महिया।

५) सामाईयं ....., ..., ..., ...,नकिट्टियं

(ब) नीचेना शब्दोना गुजराती अर्थ लखो। **(०८)**

(वंदना करुं छुं, ज्यां सुधी, मारा आत्माने, चारगतिनो, श्रुतधर्मनी आदि करनारा, अव्याबाध, जाणवा योग्य, अप्रतिहत)

(१) अप्पाणं - _____ (५) अप्पडिहय - _____

(२) चाऊरंत - _____ (६) जाव - _____

(३) मव्वाबाह - _____ (७) आईगराणं- _____

(४) वंदे - _____ (८) जाणियव्वा - _____

(क) नीचेना अर्थना मागधी शब्द लखो। **(०८)**

(जिणं, पसीयंतु, अहियं, जोगं, धम्मदयाणं, तित्थयराणं, मरुय, नपालियं)

(१) चारित्र धर्मनुं दान करनारा - _____ (५) जिनने- _____

(२) रोग रहित - _____ (६) कार्यनो - _____

(३) प्रसन्न थाओ - _____ (७) धर्मतीर्थ - _____

(४) पाळ्युं न होय - _____ (८) अधिक - _____

(ड) जोडका जोडो. **(०४)**

ए		बी
(१) करेमि भंते	[ ]	(१) दर्शन विशुध्धि थाय छे.
(२) अतिचार निवृत्ति सूत्र -	[ ]	(२) सिध्धगतिनी विशेषता दर्शक शब्द
(३) लोगस्स सूत्र -	[ ]	(३) जीवोने अभयदान अपाय छे।
(४) नमोत्थुणं सूत्र -	[ ]	(४) श्रावक दोष सेवन प्रति जागृत बने छे।

प्र.२) सामान्य समजण। **(२०)**

(१) विहरमान तीर्थंकर : **(०४)**

6 - ..... 11 - .....

16 - ..... 19 - .....

(२) अभिगम : **(०२)**

2 - ..... 4 - .....

(३) शुभ गति : ..... , ... **(०२)**

(४) तत्वना नाम : **(०२)**

5 - ..... 8 - .....

(६) अेक शब्दमां जवाब लखो। **(०५)**

(१) आगम वांचन करता पहेला कोनी आज्ञा लईअे छीअे ? _____

(२) सचेत वस्तु ना त्यागी कोण होय छे ? _____

(३) उत्तरासंगना कारणे कया जीवोनी रक्षा थाय छे ? _____

(४) क्यां फक्त दु:ख ज दु:ख होय छे ? _____

(५) परमात्माअे कोने दुर्लभ कहेल छे ? _____

(६) विहरमान तीर्थंकर कया क्षेत्रमां रहे छे ? _____

(७) खेस अेटले शुं ? _____

(८) सारा अने शुभ कर्मो थकी शुं प्राप्त थाय छे ? _____

(९) कई गतिमां सुख पारावार छे ? _____

(१०) ९ तत्वनी सम्यक् समजण अने श्रध्धा शेनी प्राप्ति करावे छे ? _____

प्र.३) संस्कार विभाग। **(१५)**

(ए) खाली जग्या पूरो।

(१) आत्मा ..... स्वरुप छे।

(२) शुभभावमां जो आयुष्य नो बंध पडे तो आवता भवनुं ..... आयुष्य बंधाय छे।

(३) ..... ने कोईअे बनाव्यो नथी।

(४) जन्मदिवसना पावन दिवसना अंतमां ..... पासे प्रार्थना जरुर करवी।

(५) विश्वना सर्वधर्ममां ..... धर्म सौथी श्रेष्ठ धर्म छे।

(६) ..... प्रकाशनी वघ घटनां आधारे तिथिनी गणतरी थाय छे।

(७) आत्मानो ..... संकोचन अने विस्तार पामवानो छे।

(८) आत्मा ..... वडे जोई शकातो नथी।

(९) ..... सुख दु:ख आपता नथी।

(१०) अेक शरीरमां ..... आत्मा रही शके छे।

(बी) अेक शब्दमां जवाब लखो। **(०५)**

(१) जन्मदिवसे केकने बदले कई Healthy वस्तु कट करवी जोईए? _____

(२) मोक्ष प्राप्तिनो पुरुषार्थ करवाथी शेनी प्राप्ति थाय छे? _____

(३) तारीखनी गणतरी कोना भ्रमण अनुसार थाय छे? _____

(४) महिनाना अेक-अेक दिवसने शुं कहेवाय? _____

(५) जैनधर्ममां शेने विशेष महत्व आपवामां आव्युं छे? _____

प्र.४) धर्म अने विज्ञान **(०५)**

अेक शब्दमां जवाब लखो।

(१) जम्या पछी थोडीवार शेमां बेसवानी सलाह आपे छे? _____

(२) वंदना करती वखते कया अंगमां आवेली जडता दूर थाय छे? _____

(३) उत्कृष्ट वंदना करती वखते कया आसनमां बेसाय छे? _____

(४) व्यक्तिनो मानसिक तनाव कई मुद्राथी घटवा लागे छे? _____

५) कई मुद्राथी मनना आवेगो शांत थाय छे? _____

प्र.५) कथा विभाग। **(१०)**

अेक शब्दमां जवाब आपो।

(१) प्रथम चक्रवर्तीनुं नाम शुं हतुं? _____

(२) श्रेणिकराजाना जयेष्ठ पुत्र नु नाम शुं हतुं? _____

(३) रोहिणेअे कोनी पासे दिक्षा लीधी? _____

(४) मरीचीनो जन्म कई नगरीमां थयो हतो? _____

(५) मेघकुमारनी मातानु नाम शुं हतुं ? _____

(६) हाथीअे कोनी रक्षा खातर पग उंचो राख्यो हतो ? _____

(७) कृष्ण वासुदेवे कोनी मदद करी ? _____

(८) रोहिणेय शुं धंधो करतो हतो ? _____

(९) मरीचीअे कोनी पासे दिक्षा लीधी ? _____

(१०) हाथीने कयुं ज्ञान थयु ? _____

प्र.६) काव्य विभागना आधारे। जोडका जोडो। **(१०)**

(१) खावा माटे ना जीवजे		(१)	दुट्ठु जरा जंति उवसामं
(२) अवगुणो ने दूर करी		(२)	आहार संज्ञा जीतीने
(३) विनयविवेक पूर्वक रही		(३)	भगवानने भजवा
(४) पुण्य कमावी लो		(४)	पाप मारे खपाववा छे
(५) सर्व श्रेष्ठ आगम मळ्यां		(५)	सहुना दिल जीतवा छे
(६) पावंति अविग्घेणं		(६)	दूर मारे रहेवुं छे
(७) हिंसा असत्य चोरीथी		(७)	पाप खपावी दयो
(८) कषायोने तजी		(८)	मिथ्या भावो दूर टळयां
(९) रसना पर राज करजे		(९)	जीववा माटे खाजे
(१०) तस्स गह रोग मारी		(१०)	जीवा अयरामरं ठाणं